

**ADVANCE, PROMOTE**—(Set free) सुक्ति दा, सुच, *see To FREE*.—(Set in order), *see To DISPOSE, ARRANGE*.—(Set at nought), *see To DESIPE, CONTEMN*.—(Set off, show to advantage) शोभा दा, अधिकशोभा दा, सुख in caus., प्रकाश in caus., *see To EMBELLISH, ADORN*.—(Set off against) प्रतिगति, प्रतिगतानं कृ, समानानुस्तानं—का दा, तुस्यद्वयं-स्वां दा.—(Set in fine words) उपचिप, *see To EULOGIZE, RECOMMEND*.—(Set on), *see To INCITE, INSTIGATE*.—(Set the mind or heart on) मनो निविष् यत् वा or समाप्त or प्रविष्ट or सुच, मनो चर्च; 'he set his heart upon such an object as this,' उपचिपे शिल्पामो मनो चर्चय. —(Set on foot) प्रवृत् in caus., आरम्, समारम्.—(Set over) अपिष्ट, प्रकृ, नियुक्, विनियुक्, संविष्टु, अप्यच्छ कृ.—(Set to rights) सुख्यं-स्वो कृ, पुनः सुख्यं कृ, सुख्य (nom. सुख्यपात्र-पितृ), प्रतिसमाप्ता, अतुसम्भा, प्रतिसमाप्तानं कृ, *see To CORRECT, REPAIR*.—(Set to music) स्वरवृद्धं-का कृ.—(Set in motion) संचल् in caus., संचल् in caus.—(Set the tooth on edge) दंडहृष्टं कृ or जन. —(Set a trap) पाणीं वृज (c. 10. योग्यतात्-पितृ), जालं विषा, जालं विषा, नौकायां तीराद् अप्याया or अप्यत्.—(Set up) स्थान in caus., प्रतिष्ठा, संस्था, अप्यस्या, डत्या, *see To ERECT, ESTABLISH*.

**To set, v. n.** (Go down, as a heavenly body) जल्सम् इ (c. 2. दृति नृ), जल्स गम (c. 1. गच्छति, गमु), जल्सू, जल्सावलम्बं अप्यलम्ब (c. 1. -लङ्घति-पितृ), विलोक्य इ or गम, जल्समन्तरं कृ, जल्सावलम्बनं कृ, निम्बुक् (c. 1. -झोचति-पितृ), अविनिम्बुक्; 'western mountain behind which the heavenly bodies set, जल्सः, जल्सावलम्बः, जल्सगितः m, *see MOUNTAIN*.—(Be fixed hard, congeal) घनीभू, दुर्दीभू, चर्च in pass., लंहन् in pass. (हम्हते), संकोष्मू.—(Flow in a fixed direction) एकत्रिदिं य एकत्रिदिं गम् or शु or दु.—(Set forward) जाये गम, पुरो गम, प्राप्, प्रया.—(Set in) उपस्था (c. 1. -तिविति-स्थातु), पर्युपस्था, *see To BEGIN, v. n.*—(Set off) याचां कृ, प्रस्थानं कृ, प्रचल्, प्रचलू, चर्च, याचाम् आरम्.—(Set out) प्रस्थ (c. 1. -तिविति-स्थातु), विप्रस्था, सम्प्रस्था, प्रविभिप्रस्था, प्रया (c. 2. -याति नृ), या, प्रग्राम् (c. 1. -गच्छति-नृ), चर्च (c. 1. चल्लति-पितृ), चर्च (c. 1. वत्तति-पितृ), प्रस्थानं कृ, प्रयाणं कृ; 'he set out for Kashmir,' कामिनीरं or कामादेवं चक्षितुः or प्रस्थितः.—(Set to) यालेन कृ, यालतः कृ, मनो निविष् in caus. or सुच.—(Set up, begin business) युक्तिरै आरम्, युत्पारम्भं कृ, प्रयाणाम् आरम्.—(Set up for), *see To PRETEND*.—(Set upon), *see To ASSAULT, ATTACK*.

**Set, s.** (Number of things of the same kind) गणः, समूहः, वर्गः, संघः, ओशी, संक्षिफ् f.; 'a set of dishes,' भोजनपात्रसमूहः; 'a set of numbers,' संख्याप्रेती.—(Number of persons) जनसमूहः, पर्किं f, गणः, वर्गः.

**Set, p. p. (Placed, put)** स्थापितः—ता नृ, अर्पितः &c., वस्तः-स्ता -स्ते, विष्टः &c., रोपितः—ना नृ, निवेष्टः &c., आहितः &c., निहितः &c., *see PLACED*.—(Inlaid, studded) स्थितः—ता नृ, अनुविदः-दा द्वं, प्रसिद्धितः—ता नृ, प्रतिष्ठः &c., चुटिः-ता नृ, पिण्डः-दा द्वं, विष्टः-स्ता -स्ते, चिदिः &c., पर्युपः-स्ता -स्ते, प्रसुपः &c., कर्पितः &c.; 'with gems,' मणिप्रसिद्धिः-ता नृ, रसविष्टः &c.; 'with pearls,' मीक्षिकस्थितः &c.; 'is set,' प्रसिद्धियते.—(Gone down, as the sun, a planet, &c.) जल्सः-स्ता -स्ते,

जल्सितः &c., जल्सगतः &c., अचलज्ञः &c., निवेष्टः-ता -नृ—(Set apart) पुरुषृतः-ता -नृ, उद्धृतः &c.—(Set aside) निराकृतः-ता -नृ, निरसः-स्ता -स्ते, प्रायाश्यातः-ता -नृ.—(Intent on) आसक्षः-ता -कृ, निःष्टः-दा द्वं, निःष्टः-ता -नृ, निविष्टः-दा द्वं, अभिनिविष्टः &c., आहितः-ता -नृ, आयुकृ-का -कृ.—(Set on foot) प्रव्यक्तिः-ता -नृ, विरचितः-ता -नृ, विहितः &c., पुरुखः &c.—(Set in order) विन्यसः-स्ता -स्ते, विहितः &c., अव्यस्थापितः &c., विरचितः &c.—(Set off, adorned) शोभितः-ता -नृ, प्रकाशितः &c.—(Set to rights) सुस्थितृतः-ता -नृ, प्रतिसमाप्तिहतः &c.—(Set to music) स्वरवृद्धः-दा द्वं.—(Set in motion) स्वचालितः-ता -नृ, स्वचालितः &c.; (Set over) अपिष्टः-ता -नृ, यियुक्-का -कृ, विनियुक् &c., आप्यतः-ता -नृ.—(Set up) अप्यतः-ता -नृ, वियुक्-का -कृ, विनियुक् &c., आप्यतः-ता -नृ.—(Regular, prescribed, uniform) नियमितः-ता -नृ, नियतः &c., एकहृपः-दा द्वं, समाहृपः &c., विषितः &c., नियत-त्वं -त्वं.—(Fixed in opinion) दुर्विच्युतः-या -नृ, विरामनिष्ठः &c.

**SETACEOUS, a.** शूक्रयुक्तः-का -कृ, वहुशूक्रः-का -कृ. *See BRISTLY*.

**SET-DOWN, s.** आभासानवस्थानं, दर्पयन्तरं, अप्यकर्त्त्वं, वारस्यः.

**SET-OFF, s.** समूहस्यक्षेत्र न, निस्तारः, परिवर्त्तः, तुल्यवत् न.

**SETON, s.** मूर्खवारा त्वारान्तरेवेशात् सूचं वर्चम्भानिवेशात् सूचं.

**SETOSE, SETOUS, a.** शूक्रयुक्तिशः-दा द्वं, शूक्रयुक्तः-या -यृ. *See BRISTLY*.

**SETTER, s.** (Dog) वनपर्याप्तिदेशको मृगयां कुकुरः, वनपर्याप्तिदेशो विशितो मृगयांश्चा म्.—(Of precious stones, &c.) योग्यवित्तम् (m. नृ).

**SETTING, s.** (Placing) स्थापन-ना, जर्पय-न, रोपय-न, लापय-न; पर्यन्त, जापयनं नियापन-न.—(Of the heavenly bodies) जल्सं, जल्समन्तरं, जल्समयः, जल्सगतं, जल्सावलम्बनं, जाराप्रयाणः.

**To SETTLE, v. a.** (Fix, establish) स्था in caus. (स्थापयति-पितृ), प्रतिष्ठा, संस्था, अव्यस्था, विषा (c. 3. -दधाति-पात्रु), प्रतिनिधा, हृ in caus., आरह, निरह.—(Establish in life) प्रतिष्ठा in caus., प्रतिष्ठितः-ता कृ, प्रतिष्ठा कृ.—(Determine, decide) निर्वी (c. 1. -यापति-योतु), निर्विधि (c. 5. -विनोदति-येतु), साप (c. 10. सापयति-पितृ), विष्टीकृ, निष्पद् (c. 10. -पापयति-पितृ), निष्पद्यते कृ, निर्वीयं कृ, परिष्पद् (c. 10. -कापयति-पितृ), विष्पद्यते कृ, योग्यो (c. 4. -स्पृति-सापात्), अव्यस्था in caus., निष्पृतु (c. 10. -पापयति-पितृ), निष्पृथायां कृ, अव्यपारयो कृ, सम्प्रपारयो कृ, तीरीयं कृ.—(Settle an affair) कार्यान्वयीय कृ, कार्यान्वयित्वं कृ.—(Compose, quiet) स्थिरोत्तु, खस्य-न्यां कृ, शम् in caus.,—(Settle a difference or dispute) संसाधा, सामाधा, सामान्यं कृ, सर्विकं कृ, जाम in caus., प्रजाम.—(Adjust, arrange) विषा, संविषा, स्थापा, स्थापन-न, रोपा, रोपय-न, उपस्थ-न, विष्पद्.—(Settle a debt, &c.) चुल्यं जप्तु (c. 10. प्रोपयति-योतु) or साप, चुल्याविष्टि कृ, चुल्याशोपनं कृ, *see TO LIQUIDATE*.—(Cause to sink to the bottom) चपो गम् in caus. (गमयति-पितृ), चप या in caus. (पापयति-पितृ), चपसद् in caus.—(Colonize) वर् in caus., स्थिष्य-

**To SETTLE, v. n.** (Fall to the bottom) जपो गम् (c. 1. गच्छति, गनु), जपः यत् (c. 1. पापति-त्वितु), तले or तल्ले यत्.—(Sink) स्त् (c. 1. संदोहिति, सर्वु), निष्पद्, अव्यस्थ-न.—(Deposit a sediment) मलन् अधः या in caus., मलाधः यानं कृ.—(Become fixed) अव्यस्था (c. 1. -तिविति-स्थातु), प्रतिष्ठा in caus. pass. (आप्यते), प्रतिष्ठितः-ता नृ -यृ, स्थिरोत्तु,—(Settle in life, marry) प्रतिष्ठितः-ता नृ -यृ, प्रतिष्ठा